HINDI

प्राक्कथन

बाज़ार में उपलब्ध हिन्दी भाषा में लिखी अच्छी पुस्तकों की कमी नहीं है। परंतु अधिकतर यह देखा गया है कि उन पुस्तकों से हमारे बालक नैतिक एवं इस्लामी बातें नहीं सीख पाते। आवश्यकता इस बात की है कि छोटे छोटे छात्रों को भाषा के शिक्षण के साथ साथ इस्लामी विशेष कर कुरआन मजीद और हदीस की महत्वता का ज्ञान कराना और बालकों को बताना कि इस प्रकार जीवन बिताकर हम दुनिया में भी सम्मान, मन का सन्तोष प्राप्त कर सकते हैं और फिर आख़िरत में भी सदैव के लिए सफ़ल हो सकते हैं। हमारे जीवन का यही मूल उद्देश्य है और सभी महान पुरुषों ने इसी को अपनाया है।

हिन्दी हमारे देश की राष्ट्रभाषा है इसके प्रति हमारे नौनिहालों में प्रेम उत्पन्न हो और वे अपने आचारण एवं व्यवहार में सत्य, अहिंसा, मानव प्रेम, सहानुभूति जैसे अमूल्य मूल्यों को इस्लामी आदर्शों के आधार पर नैतिक जीवन में ग्रहण करें। भाषा को सीखने के लिए सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने इन चार कुशलताओं को अर्जित करना आवश्यक है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य : बच्चों को सरल से कठिन की ओर ले जाना तथा पढ़ाई को आनन्द दायक खेल बनाना है । इस लिए कि आज के सीखे हुए पाठ जीवन भर उन के काम आएँगे। हमारी यह कोशिश रही है कि बच्चे हिन्दी लिखने एवं पढ़ने के साथ साथ शब्द, वाक्यों एवं लघु पाठ का रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त कर सकें तथा इस के साथ साथ इस्लामी शिक्षा द्वारा धर्म के आदर्शों को समझने का प्रयास करें।

पुस्तक के आरंभ में भाषा को सीखने हेतु लिखित कार्य में वर्णमाला, बारहखड़ी, संयुक्त अक्षर का रंगीन व भिन्न भिन्न आकर्षित चित्रों द्वारा ज्ञान करवाया गया है। ध्वनि तथा शुद्ध उच्चारण पर बल दिया गया है। मात्रा और स्वर का ज्ञान करवाया गया एवं मात्राओं को जोड़कर शब्द तथा वाक्यों द्वारा व्यवहारिक, पारिवारिक और इस्लामी लघु कथाओं का ज्ञान दिया गया है।

पुस्तक की रोचक पाठ्य सामग्री रंगीन चित्रों, कहानी, कविता, वार्तालाप आदि विधाओं के माध्यम से प्रस्तुत की गई है। इस पुस्तक का मूल आधार अल्लाह ताला की प्रशंसा; उसकी बड़ाई और उस के दिए गए उपहारों और वरदानों का आभार प्रकट करना है। यह पुस्तक इस्लामी आदर्शों एवं नैतिक मूल्यों द्वारा छात्रों के जीवन को सुधारने ही में नहीं बल्कि भाषा और व्याकरण का ज्ञान कराने में भी सहायक होगी।

पवित्र कुरआन तथा हदीस का सार्थक ज्ञान, सुन्नतों का अध्ययन और उन को जीवन का अखंड भाग बनाना इस पुस्तक का मूल उद्देश्य है। यही इस पुस्तक की विशेषता है जो अन्य पुस्तकों से इसे भिन्न बनाती है।

A DIVISION OF MS EDUCATION ACADEMY
MS RESEARCH FOUNDATION
Where Ideas Take Shape

सीखने हेतु उद्देश्य

हमारी हिन्दी पुस्तकों का उद्देश्य छोटे छोटे छात्रों को उनकी बुद्धि के अनुसार भाषा शिक्षण के साथ साथ कुरआन ए मजीद, हदीस का महत्व बताना और उसका ज्ञान देना है।

- हिन्दी हमारे देश की राष्ट्र भाषा है इसके प्रति छात्रों में भावना प्रेम उत्पन्न हो और वे अपने आचारण एवं व्यवहार में सत्य, अहिंसा, मानवता, ऐवं प्रेम सहानुभूति आदि मूल्यों को इस्लामी आदर्श द्वारा नैतिक जीवन में ग्रहण कर सकें।
- भाषा को सीखने के लिए सुन्ने, बोलने, पढ़ने और लिखने के इन चार कौशलों को अर्जित करना आवश्यक है।
- पुस्तक में भाषा को शुद्ध, सरल एवं सुन्दर ढंग से बताया गया है।
- पाठ के अभ्यासों में छात्रों के अनुकूल शिक्षा प्रद प्रश्नोत्तर विकल्प प्रश्न आदि को रोचक ढंग से बताया गया है।
- छात्रों की रुचि अनुसार व्याकरण को भिन्न भिन्न युक्तियों द्वारा व्याकरण पाठ का ज्ञान कराया गया है।
- छात्रों की बुद्धि विकास हेतु कुछ गतिविधयाँ (Activities) दी गई हैं जिन्हें हल करने में छात्रों को ज्ञान एवं मनोरंजन दोनों मिलेगा।

SAMPLE COPY

ALIF LAAM MEEM SERIES

हिन्दी सीखो

पाठमाला

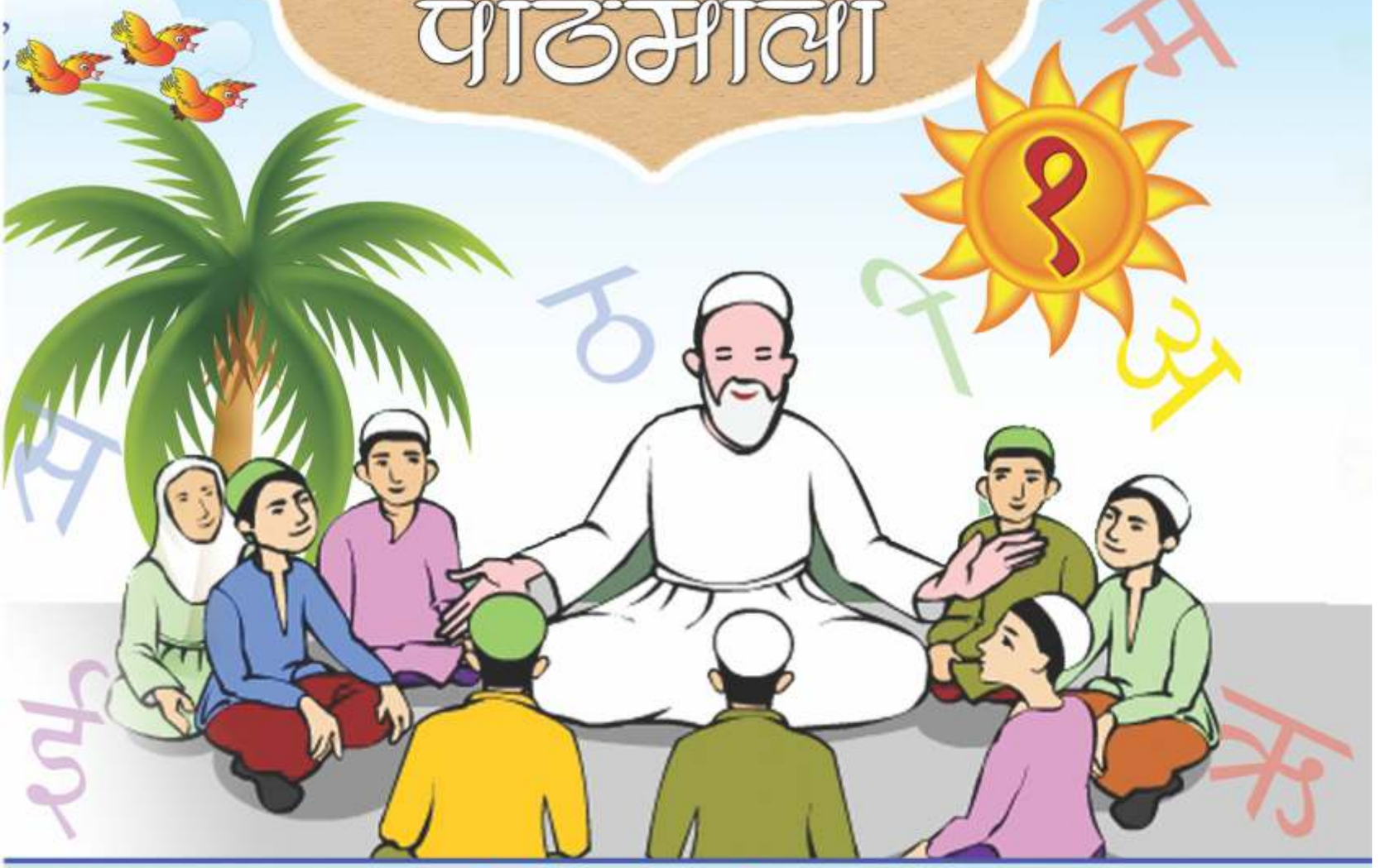

एम एस रिसर्च फ़ाउंडेशन के द्वारा तत्पर

निमित्त

मिल्लत फ़ाउंडेशन फ़ार एजूकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग

भाषा की योग्यता और कौशल

क्रम.स.	विषय	सुनना बोलना और पढ़ना	लिखित कार्य	गतिविधियाँ	सीख	व्याकरण
1.	वर्णमाला स्वर अ-औ	स्वर अक्षरों की परिभाषा सहित अक्षर को उचित स्वर में पढ़ाना एवं छात्रों से पढ़वाना।	स्वर अक्षर को उचित रूप से आकार देकर सही ढंग से लिखना सिखाना एवं अभ्यास कराना।	छात्रों से फल/फूल एवं जानवरों के नाम उन्ही अक्षरों को बोलकर अभ्यास कराना।	हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है।	
2	व्यंजन अक्षर क-ह	व्यंजन अक्षरों की परिभाषा एवं व्यंजनों का वर्गीकरण करना एवं उचित ध्वनि में अक्षरों का उच्चारण करना।	व्यंजन अक्षरों को उचित रूप से वर्गों में विभक्ति कर लिखना एवं अभ्यास कराना।	अवलोकन, वर्णो तथा उनसे जुड़े संकेतों की पहचान कराना।	एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान लाभदायक है।	व्यंजनों की ध्वनि पर बल, उष्ण/शीतल ध्वनि निकालने का आदेश।
3.	संयुक्ताक्षर	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्ताक्षर की परिभाषा दो अक्षरों के मिलने से एक नया अक्षर बनता है।	संयुक्ताक्षरों का ज्ञान कराना, लिखित कार्य एवं अभ्यास पर बल।	अक्षरों को जोड़कर विभिन्न संयुक्त अक्षरों का ज्ञान कराना।	बालकों को बताना कि एकता में बल है।	संयुक्ताक्षर का ज्ञान।
4 5 6 7	दो, तीन अक्षर वाले शब्द अच्छी आदतें चार अक्षर वाले शब्द अनमोल सीख	अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना, ऊँचे स्वर में बोलकर अभ्यास कराना, मौखिक अभिव्यक्ति का कौशल बढ़ाना।	दो, तीन, एवं चार अक्षरों को जोड़कर शब्द तथा वाक्य बनाना एवं लिखने का अभ्यास कराना।	अवलोकन आसपास की चीज़ों से जोड़कर शब्द बनाना एवं वाक्य बनाना।	शब्दों की रचना एवं वाक्य रचना सिखाना। अच्छी आदतों की सीख।	शब्द रचना एवं वाक्य रचना का ज्ञान कराना। रिक्त स्थानों की पूर्ति।
8	व्यंजनों के साथ स्वरों का मेल (बारहखड़ी)	स्वर और मात्रा की परिभाषा एवं बोल बोलकर मात्रिक शब्दों का ज्ञान।	व्यंजन अक्षरों को मात्राओं से जोड़कर बारहखड़ी लिखाना।	स्वर और मात्रा को थर्माकोल पर बताना तथा अक्षर और मात्राओं पर बल देना।	शिक्षा तथा ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं जाता।	स्वर और मात्रा का ज्ञान।
9.	आ-ा दैनिक कार्य	छात्रों को आ-ा की मात्रा जोड़ना, विभिन्न शब्दों को बोलना एवं छात्रों को दोहराने का आदेश देना।	आ-ा की मात्रा वाले लघु लघु शब्द और वाक्य बनाकर लिखाना एवं लघु पाठ के प्रश्नोत्तर लिखाना। चित्र पहचानकर विभिन्न शब्द लिखाना।	अवलोकन, आसपास के चीजों को देखकर चित्र को पहचानना विभिन्न शब्द और वाक्य बनाना एवं लघु पाठ समझाना।	समय एक अमूल्य रत्न है।	मात्राओं का ज्ञान कराना।
10. 11.	इ-(ि) ई-(ी) मात्रा वाले शब्द। (ईद)	इ-ई की मात्रा वाले विभिन्न शब्द शुद्ध उच्चारण में बोलकर अभ्यास कर एवं दोनों में अन्तर बताएँ।	इ-ई की मात्रा वाले विभिन्न शब्द, वाक्य एवं लघु पाठ के प्रश्नोत्तर लिखाएँ। चित्र को पहचानकर शब्द बनाने का अभ्यास कराएँ।	दोनों मात्राओं से सम्बन्धित विभिन्न शब्दों को आत्मसात कराएँ।	ईद की महत्वता बताएँ। इस्लाम में दो ईदें हैं।	इ-ई की मात्रा का ज्ञान एवं अन्तर समझाएँ।

12. 13.	उ-(ु)ऊ-(ू) मात्रा वाले शब्द। सुबह हुई	उ-ऊ मात्रा वाले शब्द शुद्ध उच्चारण में ऊँचे स्वर में बोलकर अभ्यास कराना।	दोनों मात्राओं वाले विभिन्न शब्द, वाक्य एवं लघु पाठ के प्रश्नोत्तर लिखाना।	अवलोकन, उ ऊ की मात्राओं का प्रयोग करते हुए विभिन्न शब्दों का ज्ञान कराना।	उ-ऊ की मात्रा का ज्ञान एवं अन्तर समझाना,वातावरण को स्वच्छ बनाने पर बल देना।	उ-ऊ की मात्राओं का ज्ञान कराना।
14. 15.	ए-े ऐ-ै मात्रा वाले शब्द। देहात का सफ़र	छात्रों से ए-े और ऐ-ै की मात्रा का चित्रों द्वारा विभिन्न शब्द बनवाना एवं उन्हें शुद्ध उच्चारण में ऊँचे स्वर में बोलकर अभ्यास कराना।	े ै की मात्रा वाले शब्द तथा लघु वाक्य लिखाना एवं पाठ के प्रश्नोत्तर लिखाना।	आस पास के शब्दों और चित्रों को दिखाना और ध्वनि पर बल देना।	मेहमान का आदर और उसकी सेवा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।	ए-े ऐ-ै मात्राओं का ज्ञान एवं रिक्त स्थानों की पूर्ति कराना।
16. 17.	ओ-ो औ-ौ हरी भरी धरती	दोनों मात्राओं को अक्षर से जोड़कर शब्द बनाना, चित्र को देखकर शब्द पहचानने की क्षमता जगाना। मौखिक अभिव्यक्ति पर बल देना।	ओ-औ की मात्राओं को जोड़कर शब्द लिखाना, शब्दों द्धारा वाक्य रचना का निर्माण कराना।	मात्राओं से विभिन्न शब्दों का ज्ञान कराना तथा लिपि और ध्वनि पर बल देना।	धरती की सुन्दरता एवं खुदा की वरदानों के प्रति बताना।	नये शब्द बनाना।
18. 19.	अं - अः अँ आदि	इन मात्राओं का प्रयोग कर शब्द बनाना चित्र देखकर बोलने का अभ्यास कराना। अं - अँ वाले शब्दों के उच्चारण में अन्तर बताना।	अं - अँ अधिक से अधिक शब्दों का अभ्यास कराना।	अं-अँ के अनेक विभिन्न शब्द चित्रों द्धारा समाझाना एवं दोनों के अन्तर को समझाना।	अं-अँ का ज्ञान	अं-अँ का ज्ञान कराना।
20	अल्लाह	पाठ का आदर्श वाचन कविता को आरोह अवरोह के साथ शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना।	पंक्तियों का अभ्यास कराना।	अल्लाह की वरदानों के बारे में छात्रों से प्रशन पूछना।	अल्लाह की नियमतें के बारे में बताना कि पढ़ना लिखना भी अल्लाह की नियमत है।	
21	अध्यापक का आदर	पाठ का आदर्श वाचन शुद्ध उच्चारण में करना, कठिन शब्दों का अर्थ वाक्यों के द्वारा समझाना एवं अध्यापक की महत्वता बताना।	पाठ से सम्बन्धित कठिन शब्दों के अर्थ लिखाना एवं प्रश्नोत्रर लिखाना।	इस्लामिक कहानियों द्वारा अध्यापक की महत्वता और आदर समझाना।	बच्चों को बताना कि अध्यापक के आदर और सेवा से ज्ञान प्राप्त होता है।	रिक्त स्थानों की पूर्ति एवं वचन बदलो।

विषय - सूची

क्रम.	पाठ का नाम	पृष्ट-क्रम
1)	वर्णमाला----------	1 - 7
2)	व्यंजन अक्षर ----------	8 - 28
3)	संयुक्त अक्षर, वर्णमाला ----------	29 - 32
4)	दो और तीन अक्षर वाले शब्द ----------	33 - 34
5)	अच्छी आदतें ----------	35 - 37
6)	चार अक्षर वाले शब्द ----------	38
7)	अनमोल सीख ----------	39 - 41
8)	व्यंजनों के साथ स्वरों का मेल ----------	42 - 45
9)	आ - ा दैनिक कार्य ----------	46 - 48
10)	इ - ि, ई - ी ----------	49 - 50
11)	ईद का दिन ----------	51 - 54
12)	उ (ु) ऊ (ू) ----------	55 - 56
13)	सुबह हुई ----------	57 - 59
14)	ए (े), ए (ै) ----------	60 - 61
15)	देहात का सफ़र ----------	62 - 65
16)	ओ (ो), औ (ौ)----------	66 - 67
17)	हरी भरी धरती ----------	68 - 72
18)	अयोगवाह - अनुस्वार ----------	73 - 76
19)	अनुनासिक ----------	77 - 79
20)	अल्लाह ----------	80
21)	अध्यापक का आदर ----------	81 - 85
22)	पवित्र पुस्तक ----------	86 - 90
23)	खेल कूद ----------	91 - 97

22 पवित्र पुस्तक

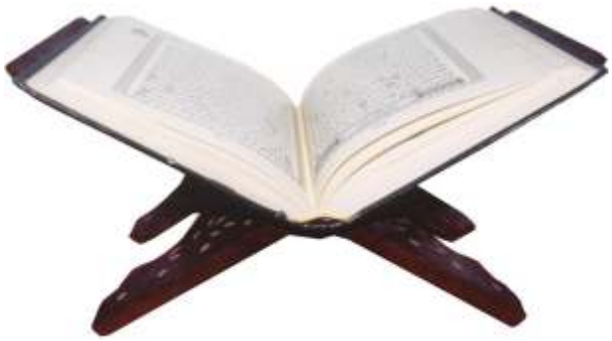

क़ुरआन-ए-मजीद मुसलमानों की पवित्र पुस्तक है। इसका हर शब्द अल्लाह की ओर से है। इस महान पुस्तक को अरबी भाषा में आकाश से उतारा गया। इसका कारण यह है कि प्यारे नबी की भाषा भी अरबी थी । २३ वर्ष में पूरा क़ुरआन मजीद उतरा।

क़ुरआन-ए-मजीद का कुछ भाग शहर मक्का में और कुछ भाग शहर मदीना में उतारा गया। क़ुरआन मजीद के उतरने के समय फ़रिश्ते हज़रत जिबराईल(अलै) प्यारे नबी मुहम्मद (सल्लल्लाहु

अलैहि वसल्लम) की सेवा में आते थे। फरिशते कुरआन मजीद की आयतें सुनाते और

प्यारे नबी मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) उन को याद कर लेते थे। उस के बाद यह आयतें किसी चमड़े पर, पत्थर की तख़्ती , लकड़ी , हड्डी और कपड़े पर लिखी जाती थीं।

इस पुस्तक में पूरे संसार के लिए एक प्रकाश है। अगर लोग इस पर अमल करें तो उन का जीवन सफ़ल होगा और मरने के बाद अल्लाह स्वर्ग देगा। कुरआन मजीद पढ़ने और हाथ में लेने से पहले वज़ू करना आवश्यक है।

मुख्य बातें

1) कुरआन मजीद मनुष्य जाति के लिए बेहतरीन मार्ग दर्शक है।
2) यह पढ़कर अमल करने वाली पुस्तक है न के सजाके रखने के लिए।
3) कुरआन मजीद को सही पढ़ने की कोशिश करना आवश्यक है।

अध्यापन संकेत

छात्रों को कुरआन मजीद पढ़ने और सीखने की महत्वता बताना और अरबी भाषा की सुंदरता पर प्रकाश डालना।

शब्द बल:

1. पवित्र	=	Holy
2. पुस्तक	=	Book
3. सफ़ल	=	Successful

अभ्यास

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मुसलमानों की पवित्र पुस्तक कौन सी है?

(ख) कुरआन मजीद किस भाषा में उतरा ?

(ग) कुरआन की आयतें नबी तक कौन पहुँचाते थे?

(घ) संसार में प्रकाश फैलाने वाली किताब कौन सी है?

2) ख़ाली स्थान भरें।

(क) कुरआन का हर शब्द _____ की ओर से है।

(ख) नबी की भाषा _____ है।

(घ) कुरआन मजीद में पूरे संसार के लिए _____ है।

(ग) कुरआन मजीद पढ़ने और हाथ में लेने से पहले _____ करना आवश्यक है।

3) पढ़ें, लिखें और समझें।

(1) पुस्तक - पुस्तकें

(2) छोटा - _____

(3) फ़रिश्ता - _____

(4) आयत - _____

(5) सूरत - _____

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(घ) नबी कभी बच्चों को _____ में ले लेते और कभी _____ पर बिठा लेते थे।

3) पढ़ें और समझें।

(ङ) प् + य = प्य - प्यार

(च) च् + च = च्च - बच्चा

(छ) स् + त = स्त - रास्ता

SAMPLE COPY

ALIF LAAM MEEM SERIES

हिन्दी सीखो

पाठमाला

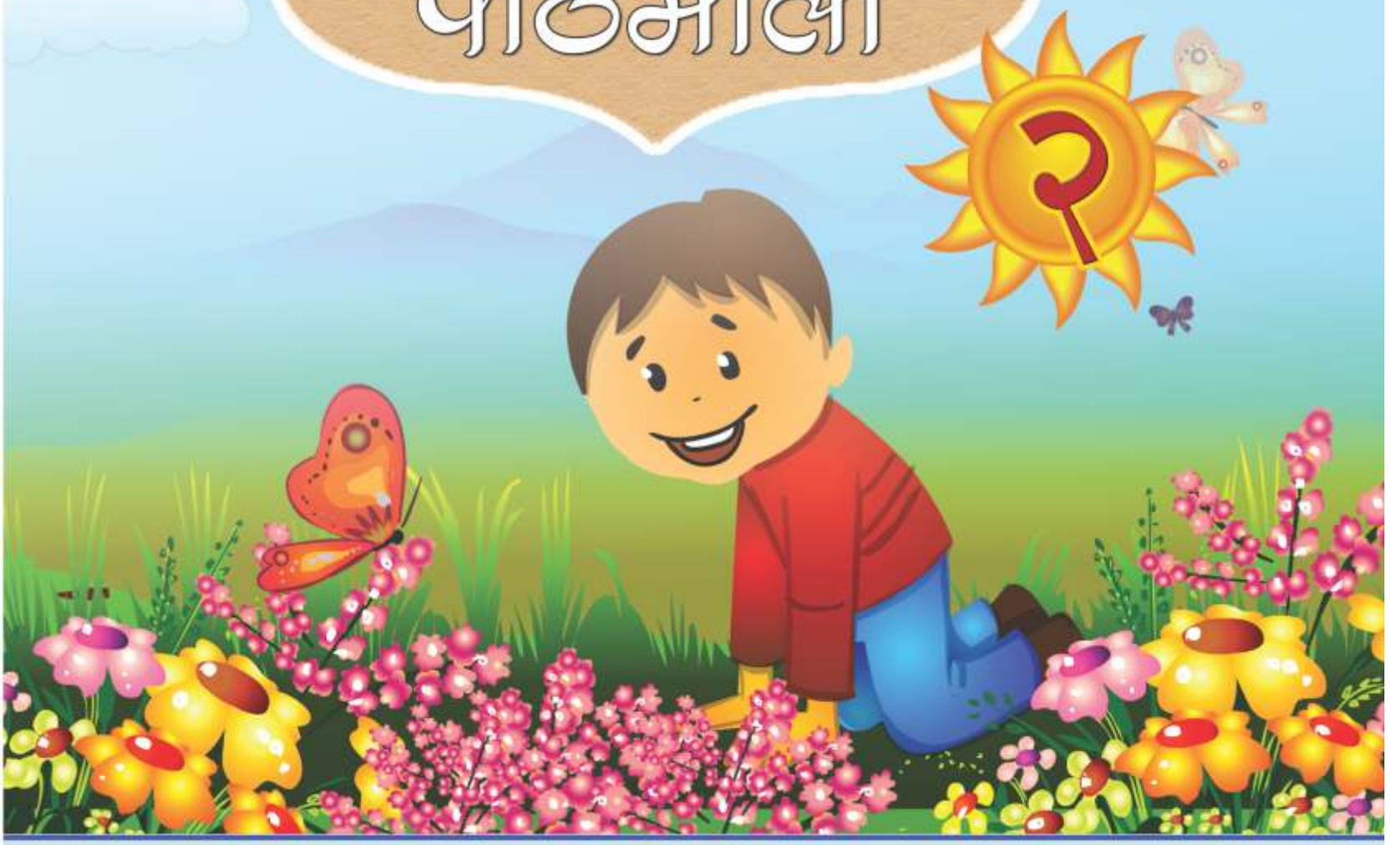

एम एस रिसर्च फ़ाउंडेशन के द्वारा तत्पर

निमित्त

मिल्लत फ़ाउंडेशन फ़ार एजूकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग

भाषा की योग्यता और कौशल

क्रं. सं.	पाठ का नाम	सुनना बोलना और समझना	अध्ययन (पढ़ना)	लिखना	शब्द कोष	व्याकरण	मूल्य
1.	पालनहार	विधाता का अर्थ अल्लाह, अल्लाह ने हमको कौनसी चीज़ें दी हैं उसका ज्ञान छात्रों को छोटे छोटे प्रश्न पूछकर बताना।	कविता को हाव भाव एंव लय के साथ पढ़ना।	श्रुतलेख एवं कठिन शब्दों के अर्थ लिखाना ख़ाली स्थान भरने के लिए कहना।	कठिन शब्दों का ज्ञान कराना	विलोम शब्द	अल्लाह तआला सारी कायनात का पालनहार है। अल्लाह तआला की दी हुई नेमतों का शुक्र अदा करना चाहिए ।
2.	शेर ओर चीता	कहानी को प्रभाव शाली ढंग से पढ़ाना और सुनाना छोटे छोटे प्रश्नोत्तर द्वारा समझाना	नये शब्दों का ज्ञान देना,कथा को पात्रों द्वारा पढ़ाना।	प्रश्नोत्तर ख़ाली स्थान भरना	पाठ में कठिन शब्द 'शब्द बल' से परिचय कराना।	संज्ञा, विलोम शब्द	खाने पीने की चीज़ें सुन्नत के अनुसार मिलकर खाना।
3.	ईदुल अज़हा	कथा को रोचक ढंग से पढ़ना, कथा से छोटे छोटे प्रश्न पूछना	कहानी सुचारू रूप से पढ़वाना	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थान भरना	नये शब्दों को वाक्यों द्वारा समझाना एवं अर्थ पर बल देना।	शब्दों का अर्थ निकलवाकर वाक्यों में प्रयोग करना।	त्योहारों द्वारा धार्मिक संस्कृति का जागरण। बलिदान की एहमियत।
4.	बच्चा और तितली	बच्चों की कल्पना सम्बन्धी छोटी छोटी कहानियों से पाठ की ओर आकर्षित करना इंसान क्यों अच्छा है? समझाना	कविता को प्रभाव शाली ढंग से पढ़ना	श्रुतलेख के कठिन शब्द हाँ या नहीं	विभिन्न उक्तियों द्वारा कठिन शब्दों के अर्थ समझाना	विलोम शब्द	तितली से भी श्रेष्ठ मनुष्य है वह दुनिया में रहकर अच्छे और नेक काम कर सकता है।
5.	कोई देख रहा है	अल्लाह तआला से डरना एवं बुरे कामों से बचने के सम्बन्ध में बताना।	पाठ को विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ने की आदत डालना	प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थानों को भरना एवं श्रुतलेख	शब्दों के अर्थ का ज्ञान कराना	वचन बदलो	अल्लाह तआला हर क्षण मानव को देखता है मानव को अच्छे कार्य करना चाहिए।
6.	सेवा का परिणाम	माँ का महत्व एवं आदर को प्रधानता देते हुए प्रश्नोत्तर रूप में पाठ की ओर लेजाना	पाठ को शुद्ध शब्दोच्चरण में विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ना एवं पढ़वाना।	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थानों को भरना	शब्दों के अर्थ के ज्ञान एवं ध्वनि पर बल, कुछ शब्दों का अभ्यास।	विलोम शब्द वचन बदलो	माँ की सेवा एवं माँ की दुआ का महत्व बताना
7.	भाई भुलक्कड़ (कविता)	भूल से सम्बन्धित छोटी छोटी सीख देना, उसके बुरे परिणाम पर प्रकाश डालना।	कविता को हाव भाव एवं रोचक ढंग से पढ़ें एवं कुछ छात्रों से भी पढ़वाएँ।	कठिन शब्द हाँ या नहीं	कठिन शब्दों का अर्थ समझाना ड़ ग़ ज़ का ज्ञान देना।	मिलते जुलते बिन्दी एवं बिना बिन्दी शब्दों के प्रति बताना	भूल से होने वाले बुरे परिणाम का ज्ञान देना।

8.	पत्थर कौन रखे (विशिष्ट व्यक्तित्व)	नबी की हदीसों एवं लघु लघु कहानियों की चर्चा करना। मौखिक प्रश्नों द्वारा पाठ का ज्ञान देना।	शुद्ध उच्चारणों द्वारा पाठ को पढ़वाना एंव त्रुटियों को सुधारना	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थानों को भरना	शब्द बल द्वारा नये शब्दों का ज्ञान देना। शब्द समूह का ज्ञान देना।	वचन बदलो, जोड़े बनाओ।	प्यारे नबी का इन्साफ़ आपसी एकता पर बल
9.	सौदागर का तोता	पक्षियों सम्बन्धी जानकारी देना उन्हें आज़ाद उड़ाने पर बल देते हुए पाठ को समझाना	पाठ को पढ़ाते समय विराम चिन्हों एवं हाव भाव का ध्यान रखना	प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थानों की पूर्ति	शब्दों के अर्थ एवं शब्दों के अन्तर को समझाना।	शब्द समूह अनुनासिक	पक्षी अल्लाह तआला की मख़लूक़ है अगर पक्षी रखें तो उनकी अच्छी देख भाल करना चाहिये।
10.	सब्ज़ीवाला	भिन्न सब्ज़ियों के सम्बन्ध में बताते हुए कच्ची और पक्की सब्ज़ी खाने के लाभ को समझाना एवं रंगों से परिचित कराना।	कविता को शुद्ध उच्चारण एवं विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ना एवं पढ़वाना।	कठिन शब्द के चित्र लगाओ	शब्दों के अर्थ समझाना	भिन्न रंगों का परिचय कराना	अच्छी सेहत के लिए सब्ज़ियों का महत्व बताना
11.	स्वर्ग की रानी (प्रेरक प्रसंग)	बीबी फ़ातिमा की हमदर्दी सहनशीलता संयम और उदारता के सम्बन्ध में बताना।	मौन वाचन द्वारा बच्चों को पाठ समझाना। (v)	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान की पूर्ति	नए शब्द बताना ज-ज़ फ-फ़ का ज्ञान कराना एवं संयुक्त अक्षरों की पहचान कराना।	विलोम शब्द नए शब्दों का परिचय कराना।	बीबी फ़ातिमा की उदारता का परिचय एवं बीबी फ़ातिमा की तसबीह का महत्व।
12.	पछतावा	बुरी आदतों से बचना चोरी न करने के सम्बन्ध में बताना एवं गाँधी जी के बारे में बताते हुए पाठ को समझाना।	पाठ को प्रभावशाली ढंग से विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ना और पढ़वाना।	शब्द बल, प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान हाँ या नहीं	शब्दों का अर्थ भिन्न भिन्न तरीक़े से बताना।	विलोम शब्द अनुनासिक	बुरी आदतों और चोरी के बारे में बताना एवं प्रायश्चित का महत्व बताना।
13.	पेड़ लगाओ	पेड़ लगाने एवं पेड़ की रक्षा करने के बारे में बताना पेड़ पौधों से होने वाले लाभ से परिचित कराना।	कविता को हाव-भाव और लय से पढ़ना और कुछ छात्रों से पढ़वाना।	कठिन शब्द ख़ाली स्थानों को भरवाना	शब्दों के अर्थ का ज्ञान देना।	---	पेड़ों का महत्व समझाना पेड़ों से होने वाले लाभ को बताना।
14.	टीपू सुलतान	टीपू सुलतान की वीरता, साहस और बुद्धिमानी की चर्चा करना, प्रजा एवं देश के लिए सड़कें इमारतों के निर्माण पर बातचीत करना।	पाठ के कठिन शब्दों को उचित पढ़वाना। पढ़ते समय ध्वनि पर बल देना।	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थानों को भरना श्रुतलेख।	नये शब्दों का ज्ञान कराना एंव कठिन शब्दों को वाक्यों द्वारा समझाना उर्दू के शब्दों का बिन्दी द्वारा प्रयोग।	पर्यायवाची शब्द	इतिहासिक पुरूषों का परिचय, प्रजा प्रेम देशोद्धार की भावना।

विषय सूची

पुनरावृत्ति 1-10

1. पालनहार (कविता).....11-13
2. शेर और चीता 14-17
3. ईदुल - अज़हा 18-22
4. बच्चा और तितली (कविता) 23-25
5. कोई देख रहा है 26-29
6. सेवा का परिणाम 30-34
7. भाई भुलक्कड़ (कविता).....35-37
8. पत्थर कौन रखे 38-43
9. सौदागर का तोता 44-49
10. सब्ज़ीवाला (कविता).....50-51
11. स्वर्ग की रानी.....52-56
12. पछतावा 57-62
13. पेड़ लगाएँ (कविता).....63-64
14. टीपू सुल्तान.....65-69
15. राष्ट्रीय पक्षी मोर 70-74
16. बरसात (कविता).....75-77
17. अंजान व्यक्ति.....78-82
18. आओ गिनती पढ़ें (कविता).....83-85

8 पत्थर कौन रखे

हम सब जानते हैं ख़ाना काबा अल्लाह का पवित्र घर है। यही दुनिया का सब से पहला घर है जो अल्लाह की इबादत के लिए बनाया गया है। हज़रत इब्राहीम (अलै) ने उस का निर्माण किया। उस समय यह इमारत बहुत बड़ी न थी। दीवारें अधिक ऊँची न थीं। इस की एक दीवार में एक काला पत्थर था जिसे इबादत के समय चूमा जाता था।

यह इबादत का घर ढलाव दार स्थान पर था। जब कभी वर्षा होती इस में जल भर जाता था। इस के कारण दीवारें जगह जगह से टूट रही थीं।

हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के समय में मक्का के लोगों ने इस की मरम्मत के बारे में विचार किया। मक्का के सभी दल इस घर का बहुत आदर करते थे। इस लिए सभी ने इस महान कार्य में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। एक दूसरे की सहायता एवं मिल कर कार्य करने के कारण इमारत जल्दी तैयार हो गई।

अब काले पत्थर को उस के स्थान पर रखना बाक़ी था। मक्का का हर दल चाहता था कि यह सम्मान उस को मिले। पत्थर एक क़बीले अनेक। तलवारें निकल आईं। क़रीब था कि ख़ून ख़राबा हो। तभी एक वृद्ध व्यक्ति ने कहा। हमें चाहिये कि यह निर्णय ख़ाना काबा में प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति पर छोड़ दें। वह जो निर्णय लेगा हमें स्वीकार होगा।

सब की दृष्टि द्वार पर थी। क्या देखते हैं कि हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) तशरीफ़ ला रहे हैं। लोग बहुत ख़ुश हुए और कहने लगे, यह तो सच्चे हैं, ईमानदार हैं; हम सब इन के निर्णय से सहमत हैं। नबी पाक (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने एक चादर मंगाई और पत्थर को उस पर रखा। फिर प्रत्येक क़ल के सरदार से कहा कि चादर का एक एक कोना पकड़ लो। जब चादर पत्थर रखने के स्थान तक लाई गई तो नबी पाक (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने स्वंय पत्थर अपने हाथ से उठा कर उस के स्थान पर लगा दिया। इस पत्थर को हजरे असवद भी कहते हैं। प्यारे नबी के इस निर्णय से एक बड़ा झगड़ा टल गया। और सभी लोग नबी पाक (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के गुण गाते हुए अपने अपने घरों को लौट गए।

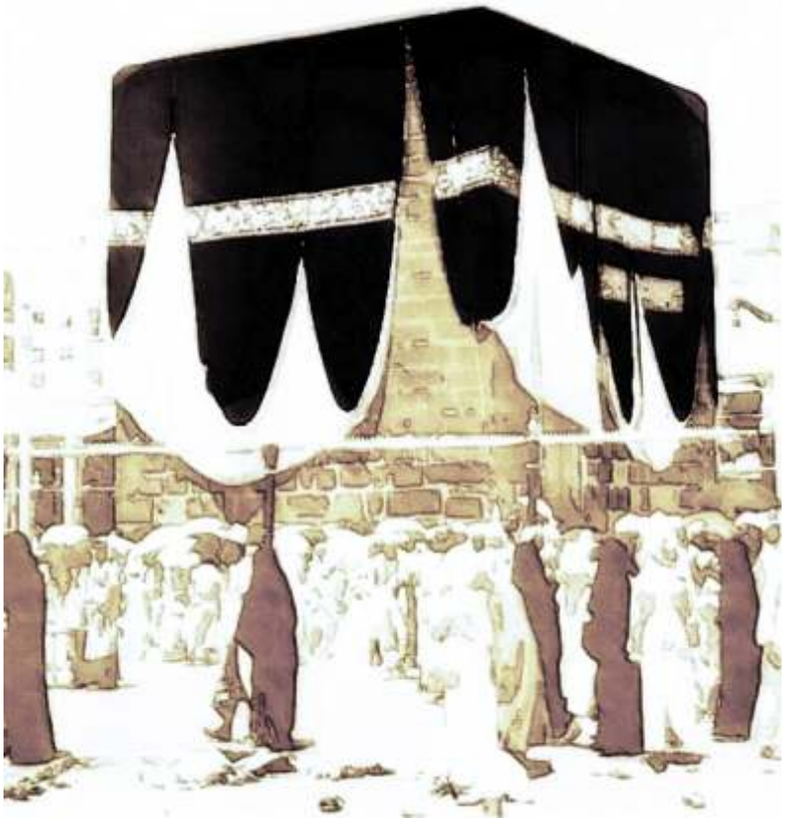

बच्चो! हमें कुछ भी करने से पहले अपने बड़ों से मशवरा ज़रूर करना चाहिये।

अध्यापन संकेत

१. पाठ को विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ें।
२. प्यारे नबी के बारे में बताएँ उन के इंसाफ के बारे में समझाऐं।
३. ख़ाना काबा अल्लाह तआला का घर है हजरे असवद का मुक़ाम बताएँ।
४. बड़ों के मशवरों का महत्व समझाऐं।

शब्द कोष : विचार निर्णय वृद्ध स्वंय

I- शब्द बल:

१)	पवित्र =	साफ़	४)	सम्मान =	इज़्ज़त
२)	निर्माण =	बनाना	५)	प्रवेश =	दाख़िल होना
३)	दल =	समुदाय	६)	प्रत्येक =	हर एक

II- प्रश्नोत्तर

१) अल्लाह ताला का पवित्र घर कहाँ है?
२) ख़ाना काबा का निर्माण किस ने किया?
३) ख़ाना काबा में काला पत्थर रखने का क्या निर्णय लिया गया?
४) हजरे असवद को कैसे रखा गया?
५) हजरे असवद का इस्लाम में क्या महत्व है?

III- ख़ाली स्थान भरो।

१. पत्थर एक क़बीले _____ ।
२. नबी पाक ने एक _____ मंगाई।
३. इस पत्थर को _____ कहते हैं।
४. सभी लोग नबी पाक (स) के _____ गाते हुए अपने अपने घर चले गए।

IV- पढ़ो और समझो।

१)	अल्लाह तआला का पवित्र घर	(ख़ाना काबा)
२)	ईमान पर चलने वाला	(ईमान दार)
३)	काला पत्थर	(हजरे असवद)
४)	बात को मानना	(स्वीकार करना)
५)	छिपी हुई बात को मानना	(ईमान)

V- वचन बदलो।

१.	क़बीला =	क़बीले
२.	दीवार =	
३.	काला =	
४.	इमारत =	
५.	तलवार =	

VI- सही जोड़े बनाओ।

१.	ख़ाना	ख़राबा
२.	काला	शहर
३.	शुभ	काबा
४.	मक्का	पत्थर
५.	ख़ून	कार्य

VII- पढ़ो और समझो।

१.	दुनिया	-	संसार,	जगत
२.	समय	-	अवधि,	वक़्त
३.	जल	-	पानी,	नीर

VIII- व्यक्तित्व का विकास

यादि आप मस्जिद जाएँ तो आप क्या करेंगे?

क - आप मस्जिद में हल्ला करेंगे?
ख - आप मस्जिद में नमाज़ पढ़ेंगे और कुरआन पढ़ेंगे?
ग - आप मस्जिद में खेल कूद की बात करेंगे?

SAMPLE COPY

ALIF LAAM MEEM
SERIES

हिन्दी सीखो

पाठमाला

3

एम एस रिसर्च फ़ाउंडेशन के द्वारा तत्पर
निमित्त
मिल्लत फ़ाउंडेशन फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भाषा की योग्यता और कौशल

क्र.स.	पाठ का नाम	विधा	सुन्ना बोलना, समझना और पढ़ना	लिखना	शब्द कोश/व्याकरण	दृश्य श्रव्य कौशलों का विकास	मूल्य
१.	आदर	प्रेरक प्रसंग	प्रेरणा सम्बन्धी प्रसंग को प्रभावशाली ढंग से वाचन करना एवं आदर का महत्व जानना।	प्रश्नोत्तर एवं ख़ाली स्थान भरो, सही या ग़लत में उत्तर दो।	कठिन शब्दों के अर्थ का ज्ञान, वाक्यों में प्रयोग, नए शब्द बनाना (ृ) का प्रयोग	बड़ों और गुरू जनों के आदर का ज्ञान, मौखिक रूप में	आदर एवं अनुशासन का महत्व।
२.	हमें एक कर दे	कविता (एकता)	कविता का आदर्श वाचन शुद्ध और आरोह अवरोह के साथ करना।	कविता की पंक्तियाँ पूरी करना।	शब्द बल वाचन, विलोम एवं अनुनासिक का ज्ञान।	कविता का उच्चारण हाव भाव एवं इंद्रियों का संचालन करते हुए करना।	अल्लाह की बड़ाई, उसी से मांगना एवं एकता पर बल देना।
३.	चूहा और मेंडक	नीतिपरक	वार्तालाप का प्रभाव शाली वाचन। जैसी करनी वैसी भरनी की सीख।	प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थानों की पूर्ति।	कठिन शब्दों के अर्थ, वचन, लिंग शुद्ध रूप का ज्ञान।	ईर्ष्या पर कहानी सुनाना।	हसद और धोके का बुरा परिणाम।
४.	चिराग़	रोचक लेख	शुद्ध वाचन करना। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना, घमण्ड एक असमाजिक रोग है।	प्रशनोत्तर रिक्त स्थान भरो, ''हाँ'' या ''नहीं''	कठिन शब्द के अर्थ का ज्ञान, वाक्यों में प्रयोग पर्यायवाची शब्द।	चिराग़ के भिन्न भिन्न चित्रों का लगाना एवं दिखाना।	घमण्ड का त्याग, प्रायश्चित का महत्व।
५.	थोड़ा थोड़ा खर्च करें हम	कविता (सीख)	मधुर एवं स्पष्ट उच्चारण में कविता का आदर्श वाचन करना, पानी के सम्बन्ध में बताना।	ख़ाली स्थान भरो।	र (ृ) का प्रयोग, विलोम, क्रिया फ़, ड़, ख़ का प्रयोग एवं संयुक्ताक्षर का ज्ञान।	पानी के भिन्न भिन्न प्रयोग चित्रों द्वारा बताना।	''पानी'' अल्लाह तआला की नेमत है उस का ठीक प्रयोग करें।
६.	सोने के बाँट	कहानी	पाठ का शुद्ध उच्चारण सहित वाचन करना। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना। हलाल की कमाई का ज्ञान।	प्रश्नोत्तर एवं रिक्त स्थान भरना।	वर्णमाला एवं कठिन शब्दों के अर्थ का ज्ञान। समानार्थ, वचन, शब्द समूह	अनाज तोलने का तराज़ू और कुछ बाँट बनाना।	हलाल की कमाई में बरकत है।
७.	भलाई की चिंता	चिंता जनक समस्या	पाठ को ध्यान पूर्वक सुनना समझना विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए वाचन करना आपसी और भाई चारगी का संदेश।	प्रश्नोत्तर ख़ाली स्थान भरो।	कठिन शब्दों के अर्थ एवं हल अक्षरों का ज्ञान, विलोम, संज्ञा ।	उपवन का चित्र देखकर चार वाक्य मौखिक रूप में सुनाओ।	सहयोग, चिंता सहानुभूति, प्रेम आदि गुणों का विकास।
८.	बुराई का पथ	कविता (सीख)	प्रभाव शाली ढंग से कविता पढ़ना और समझाना, बुराई से होने वाली हानि पर प्रकाश डालना।	ख़ाली स्थान भरो।	शब्द बल, विलोम एवं मिलते जुलते शब्द।	बुराई में रूसवाई है इस का मौखिक रूप मे ज्ञान देना।	जीवन में बुराई से होने वाले दुष्ट परिणामों पर प्रकाश डालना।

९.	हज़रत मूसा (अलै)	एतिहासिक लेख	शुद्ध वाचन इस्लामी इतिहास से परिचय नबियों में मूसा (अलै) का स्थान।	प्रश्नोत्तर ख़ाली स्थान भरो।	कठिन शब्दों के अर्थ लिंग विलोम पर्यायवाची शब्द समूह के लिए एक शब्द।	मूसा (अलै) की भिन्न भिन्न कथाओं को सुनाना।	मूसा (अलै) की जीवनी पर प्रकाश।
१०.	अधूरा ज्ञान	हास्य कथा	अभिनय सहित कहानी का वाचन एवं अधूरे ज्ञान की जानकारी।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान भरो।	कठिन शब्दों का अर्थ, वचन, विलोम उचित शब्दों का मिलान।	अधूरा ज्ञान कष्ट दायक होता है उस का ज्ञान देना।	अधूरे ज्ञान के दुष्ट परिणाम सतर्कता पर बल।
११.	अम्मा अम्मा पर्दा कर लो	कविता (पर्दे पर)	प्रभाव शाली ढंग से कविता का उच्चारण करना पर्दे का ज्ञान देना।	रिक्त स्थानों की पूर्ति करना।	संयुक्त अक्षरों का ज्ञान 'ई' लगा कर शब्द बनाना, विलोम एवं मिलते जुलते शब्द।	पर्दा क्या है मौखिक रूप में समझाना।	पर्दा एवं हिजाब का महत्व एवं अल्लाह की रज़ा इसी में है।
१२.	अनमोल जल	कहानी	पाठ का संवाद रूप में वाचन भलाई करने वाले की क़दर करना।	प्रश्नोत्तर सही उत्तर चुनकर (✔) लगाएँ।	अनुस्वार, वर्ण विच्छेद ज़, क़ कठिन शब्दों के अर्थ का ज्ञान।	चित्रों मे रंग भरो।	पारस्परिक प्रेम, भलाई की क़दर।
१३.	चोरी	नीतिपरक सीख	संवादात्मक वाचन, चोरी से स्वयं की हानि और तिरस्कार।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थानों की पूर्ति, किस ने किस से कहा?	कठिन शब्दों के अर्थ का ज्ञान, विशेषण एवं ''और'' ''ओर'' का अन्तर।	चोरी से सम्बन्धित अन्य कथा सुनाना।	चोरी से स्वयं की हानि और तिरस्कार।
१४.	खट्टे अंगूर	कविता	शुद्ध शब्दोच्चारण आरोह अवरोह के साथ कविता पढ़ना एवं समझाना।	ख़ाली स्थान भरो, पंक्तियाँ पूरी करो।	अनेकार्थी शब्द बनाना, वचन बदलो।	खट्टे अंगूर का अर्थ समझाएँ एवं चित्रों का प्रयोग करें।	हार को छिपाने के लिए दूसरों पर दोष न लगाना।
१५.	हज़रत उमर (रज़ि)	इस्लामी कथा	प्रभावपूर्ण वाचन हज़रत उमर (र) की वीरता, साहस और उन पर पवित्र कुरआन की सूरे ताहा का प्रभाव।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान।	कठिन शब्दों के अर्थ, भिन्नार्थ पर्यायवाची आदि का ज्ञान।	उमर (र) का संघर्ष, दीन को फैलाने कि भावना को मौखिक रूप में बताना।	साहस, वीरता, इस्लाम की उन्नति।
१६. १७.	वचन (क-ख)	कहानी	विराम चिन्हों का प्रयोग करते पढ़ना, समझना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना, वचन का पालन करना।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थानों की पूर्ति।	कठिन शब्दों के अर्थ चन्द्रबिन्दु वचन का ज्ञान।	वचन का जीवन में महत्व बताना।	वचन का पालन ईमानदारी कर्तव्य निष्ठा।
१८.	दो वृक्ष थे बे चारे	कविता (परोपकारी)	मुखमुद्र का प्रयोग करते हुए शुद्ध उच्चारण में कविता पढ़ना एवं वृक्षों का ज्ञान देना।	पंक्तियों को पूरा करो।	वचन, वाक्यों में प्रयोग, पर्यायवाची शब्द, अनुस्वार एवं अनुनासिक का ज्ञान।	चित्रों द्वारों वृक्षों की सेवा एवं फल का ज्ञान देना।	वृक्षों की विशेषता बताना, परोपकारी स्वभाव से परिचित कराना।

विषय सूची

१	आदर	१ - ५
२.	हमें एक कर दे	६ - ९
३.	चूहा और मेंडक	१० - १४
४.	चिराग़	१५ - १९
५.	थोड़ थोड़ा खार्च करें हम	२० - २४
६.	सोने के बाँट	२५ - ३०
७.	भलाई की चिंता	३१ - ३५
८.	बुराई का पथ	३६ - ३९
९.	हज़रत मूसा (अलै)	४० - ४५
१०.	अधूरा ज्ञान	४६ - ४९
११.	अम्मा अम्मा पर्दा कर लो	५० - ५३
१२.	अनमोल जल	५४ - ५८
१३.	चोरी	५९ - ६३
१४.	खट्टे अंगूर	६४ - ६८
१५.	हज़रत उमर (रज़ि)	६९ - ७३
१६.	वचन (क)	७४ - ७८
१७.	वचन (ख)	७९ - ८३
१८.	दो वृक्ष थे बे चारे	८४ - ८७

7

भलाई की चिन्ता

किसी बग़ीचे में एक तोता और एक मैना रहते थे। दोनों में गहरी मित्रता थी। जब भी साथ बैठते भिन्न भिन्न विषय पर बातें करते और हँसते थे। परन्तु तोता न जाने किस कारण उदास रहता था। मैना हमेशा उसे देखती और चिंतित रहती थी। एक दिन उसने तोते से पूछा ''तोता भैय्या तुम इतने दुखी क्यों हो? तोता कुछ न बताता और दूसरी बातें करने लगता। इस प्रकार कुछ समय बीत गया। आख़िर मैना ने बिन्ती करते हुए तोते सेचिन्ता का कारण पूछा? तोता भैय्या हम इतने दिन से एक ही स्थान पर रहते हैं। साथ खाते पीते हैं किन्तु तुम मुझ से कुछ छिपाते हो। तोते ने कहा ''यह तुम्हारा विचार है, ऐसा कुछ नहीं।''

मैना बोली :''हाँ यह ठीक है। अल्लाह तआला ने तुम्हें सब कुछ दिया है जैसे यह सुन्दर चेहरा, उपवन की बहारें, फल फूल और ऐसा सुन्दर मौसम जिसमें अपनी नींद उठते और सोते हो। परन्तु मैं देखती हूँ तुम किसी चिन्ता में डूबे रहते हो। आज इसका कारण अवश्य बताओ। इस से तुम्हारे मन का बोझ कम हो जाएगा।

तोते ने दुखी होते हुए कहा ''आज संसार

बड़ी अशान्ति फैली है। उपवन ही को देख
कि हर शक्तिशाली जानवर दुर्बल जानवरों
को मार डालता है। जैसे कौआ चिड़ियों के
घोंसलों से अण्डे और बच्चे खा जाता है।
जगह अन्याय चल रहा है। लड़ना झगड़ना

एक
दूसरे को मार डालना छोटी बात समझी जाती है। इन सब को देखकर मेरा हृदय तड़प उठता है।''

मैना बोली :''तुम इन सब की चिन्ता में क्यों घुल रहे हो।'' तोते ने कहा यह दूसरों की चिंता नहीं, यह तो अपना ही दुख है। यदि अन्याय अधिक फैल जाए तो इसमें हम भी कहाँ बचेंगे। पड़ोसी के घर में आग लगी हो और हम चिन्ता न करें यह तो बड़ी मूर्खता की बात है। हमें आग को बुझाने का प्रयास करना चाहिए। नहीं तो यह आग कई घरों, गाँवों को हानि पहुँचा सकती है। आग कम हो तो उसे बुझाना सरल है।

मैना बोली : ''अच्छा अब यह बताओ क्या किया जाए?''

तोते ने कहा : ''अगर तुम मेरीसहायता करो तो बहुत कुछ किया जा सकता है। हम मिल जुल कर जानवरों के पास जाएंगे। उन्हे हर प्रकार से समझाएंगे। उनसेपश्चाताप करने और सीधे मार्ग पर चलने के लिए विनती करेंगे।

मैना बोली : ''मैं अवश्य तुम्हारी सहायता करूँगी। यह तो बड़ी भलाई का कार्य है।

उपवन में बढ़ते अन्याय का अन्त करना हम सब का कर्त्तव्य है।

इसके बाद तोता और मैना ने बड़े साहस के साथ अन्य जानवरों से बात की और उन्हें बुराई की पहचान कराई। तोता और मैना ने इससे होने वाली हानि पर भी प्रकाश डाला। शान्ति और प्रसन्नता के साथ रहने पर बल दिया। अल्लाह तआला ने उनके नेक इरादों का साथ दिया । सारे जानवरों ने बुराई से तौबा की और बग़ीचे का दृश्य शान्ति में बदल गया। सभी जानवरों में एक दूसरे के प्रति हमदर्दी आ गई।

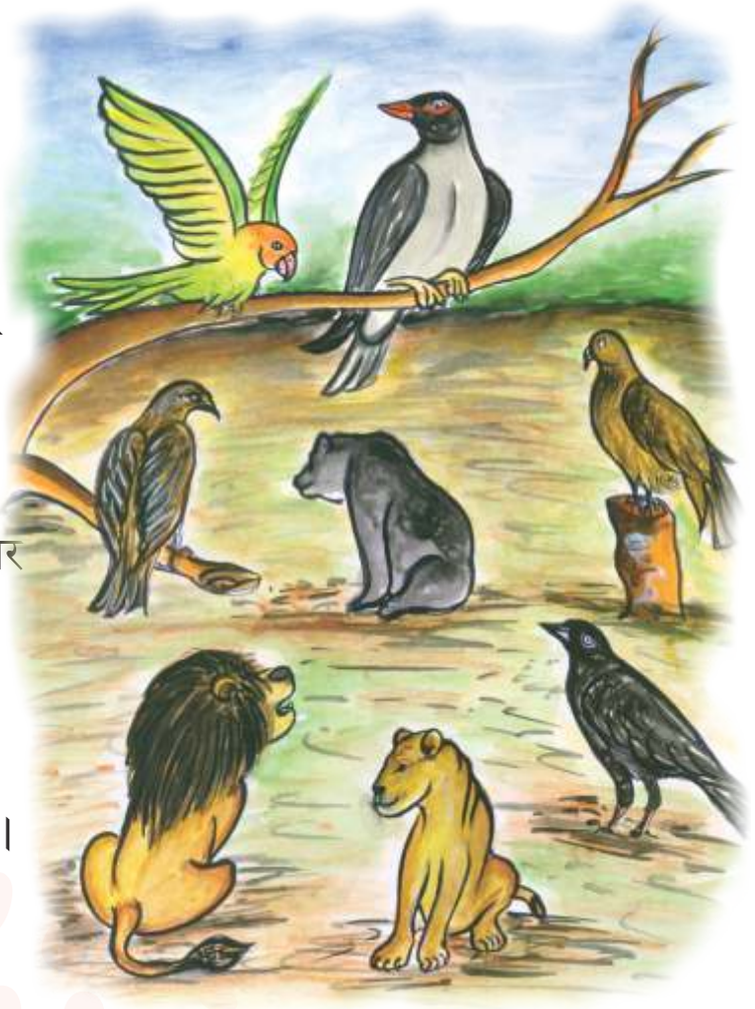

सीख: ऐसे ही हम मानव जाति में अन्याय और अत्याचार अधिक बढ़ गया है इसको समाप्त करने के लिए हम सब को मिलकर प्रयत्न करना चाहिए।

अध्यापन संकेत

१) पाठ के माध्यम से पारस्परिक सहयोग, हमर्दी और दूसरों की भलाई जैसे गुणों का विकास करना।

२) संज्ञा भिन्न-भिन्न उदाहरण द्वारा समझाना।

I. शब्द बल

१. चिंतित : परेशान, फ़िकर मन्द २. दुर्बल : कमज़ोर
३. अशान्ति : बद अमनी, अमन न होना ४. सहायता : मदद
६. पश्चाताप : पछतावा

II. प्रश्नोत्तर

१. तोता और मैना में कैसी मित्रता थी?
२. उपवन में कैसा अन्याय चल रहा था?
३. आग बुझाने का मतलब क्या है?
४. तोते ने मैना को अन्याय रोकने का हल कैसे बताया?
५. तोता और मैना ने जानवरों को कैसे रहने पर बल दिया?

III. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१. किसी बग़ीचे में एक तोता और एक _____ रहते थे।
२. आज संसार में बड़ी _____ फैली है।
३. हमें आग को बुझाने का _____ करना चाहिए ।
४. सभी जानवरों में एक दूसरे के प्रति _____ आ गई।

V. भाषा भंडार

(i) विपरीतार्थी शब्द

१. अन्याय x
२. शान्ति x
३. दुखी x
४. मित्रता x

(ii) नीचे दिए गए संज्ञा शब्द को रेखाकित कीजिए ।

१. किसी बग़ीचे में एक तोता और एक मैना रहते थे।
२. मेज़ पर पुस्तक क़लम और घड़ी है।
३. जंगल में शेर चीता लोमड़ी भालू आदि रहते हैं।

IV. पढ़ो और समझो।

प्	+	र	=	प्र	प्रयास	प्रयत्न
र्	+	य	=	र्य	कार्य	दुर्बल
न्	+	य	=	न्य	अन्य	अन्याय
त्	+	य	=	त्य	अत्याचार	सत्य

V. "उपवन" का चित्र देखकर चार वाक्य बनाओ।

VI. व्यक्तित्व का विकास।

यदी आप के सामने कोई बुरा कार्य होता देखे तो आप क्या करेंगे?

क - क्या आप अपने हाथ से उस बुरे कार्य को रोकने कि कोशिश करेंगे ?
ख - क्या आप अपनी ज़बान से कुछ कहेंगे या केवल मन में उसे बुरा जाने गे?
ग - क्या आप भी उस कार्य में सम्मिलित हो जाएँ गें?

SAMPLE COPY

ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

हिन्दी सीखो

पाठमाला

एम एस रिसर्च फ़ाउंडेशन के द्वारा तत्पर

निमित्त

मिल्लत फ़ाउंडेशन फ़ोर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

विषय सूची

१.	बिल्ली ख़ाला का हज.....	१	-	५
२.	दस स्वर्गीय महा पुरुष.....	६	-	९
३.	अब्बू अब्बू दाढ़ी रख लें (कविता).....	१०	-	१४
४.	स्वर्ग में भवन.....	१५	-	१९
५.	सद भावना.....	२०	-	२४
६.	हमारे नबी (कविता).....	२५	-	३०
७.	शैतान और किसान.....	३१	-	३९
८.	साहसी महिला.....	४०	-	४५
९.	आम का पेड़ (कविता).....	४६	-	४९
१०.	बेगम हज़रत महल.....	५०	-	५३
११.	मदनी जीवन.....	५४	-	५८
१२.	हमारा मैदान (कविता).....	५९	-	६५
१३.	जवाहरलाल नेहरु.....	६७	-	७२
१४.	ज्ञान का उज्जवल सूर्य.....	७३	-	८०
१५.	कितना आसान (कविता).....	८१	-	८९

१ बिल्ली ख़ाला का हज

जब आबिदा बेगम हज कर के वापस आईं तो हवेली वालों ने उन का शानदार स्वागत किया। उन की बिल्ली रानी यह सब देख रही थी। बिल्ली रानी के हृदय में भी यह कामना पैदा हुई क्यों न मैं भी हज कर के आऊँ? ताकि मेरा भी ऐसी ही आदर सत्कार हो।

बिल्ली रानी ने हज का पक्का इरादा कर लिया और तुरन्त कमरे में जाकर अपनी भाँजी पुसी रानी को सूचना दी कि मैं हज को जा रही हूँ। पुसी आश्चर्य चकित होकर बोली, ख़ाला जान आप यह क्या कह रही हैं ? आप ने कभी अपने बीते हुए जीवन पर भी विचार किया है। जिस दिन आप ने अपने पापों से प्रायश्चित कर लिया उसी दिन हज़ारों चूहे अपने उन बच्चों का (मातम) शोक मनाते हुए जिन की आप ने हत्या की बाहर निकल आऐंगे। यह तो वही बात हो गई ना सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। यह सुनकर बिल्ली रानी ने डाँट कर कहा तुम चुप रहो । बस मैं ने हज का इरादा कर लिया है और पापों से प्रायश्चित कर लिया है।

पुसी को रानी ख़ाला का यह विचार पसंद नहीं आया और उस ने तुरन्त अपनी माँ को इस बात से अवगत कराया और कहा कि वह रानी बिल्ली से अवश्य मिलें।

पुसी दौड़ती हुई अपनी बहन से मिलने आई। रानी बिल्ली ने जब अपनी बहन को देखा तो उसे प्रेम पूर्वक भाव में छाती से लगा लिया और हाल चाल पूछा। उस के पश्चात अपनी हज करने की इच्छा प्रकट की।

बहन! उस दिन मैं ने आबिदा बेगम को हज से लौटने पर देखा कि उन का चेहरा नूर से चाँद की तरह चमक रहा था।

तुरन्त मेरे हृदय में भी यह इच्छा उत्पन्न हुई के क्यों न मैं भी हज को जाऊँ? छोटी बहन बीच में बोल पड़ी। परन्तु बहन जी वे ९०० चूहे जो आप चट कर गईं उन का क्या?चुप रहो रानी गुर्राते हुए बोली। मैं ने प्रायश्चित कर लिया है। तुम जानती हो मैं प्रारंभ से ही शान्ति प्रिय हूँ। मुझे हिंसा के नाम से भी घृणा है।

लेकिन अल्लाह बुरा करे बुरी संगत का जिन्होंने मुझे चूहों के शिकार की लत लगादी। अन्यथा हम दूध रोटी खाने वाले मास का स्वाद क्या जानें।

बहन जिस दिन से मैं ने शिकार से प्रायश्चित किया है अल्लाह को साक्षी मान कर कहती हूँ के मास की गन्ध से भी उल्टी आती है। उन सब को यह शुभ सूचना दे दो कि रानी बिल्ली सारे बुरे कार्य छोड़ कर हज को जा रही है।

छोटी बहन ने रानी बिल्ली को चूमा और मुहल्ले में बिल्ली के हज पर जाने की घोषणा कर दी।

प्रथम तो चूहों के पूर्वजों को विश्वास ही नहीं हुआ परन्तु जब बहन ने पंचायत जोड़ कर एवं सौगन्ध खा कर रानी बिल्ली के प्रायश्चित का विश्वास दिलाया तो चूहों ने प्रसन्न हो कर मुक्ति दिवस की घोषणा कर दी।

बस कुछ ही समय में सेंकड़ों चूहे अपने परिवार के संग नाचते कूदते अपने बिलों से बाहर निकल आए। वे सब रानी बिल्ली का सम्मान और उस का स्वागत करने हेतु उपस्थित हो गए।

फिर रानी बिल्ली ने स्नान किया और सफ़ेद वस्त्र पहन कर मंच पर आई । चूहों ने जब यह सुन्दर दृश्य देखा तो उच्च स्वर में नारा लगाया।

रानी बिल्ली की जय हो! चूहा बिल्ली एकता की जय हो!

अब बिल्ली बीच में खड़ी थी और चारों ओर मोटे ताज़े चूहे खड़े थे। एका एक बिल्ली की नियत ख़राब हो गई उसके हृदय में विचार आया। उस का हृदय कह रहा था कि हज पर तो अगले वर्ष भी जा सकती हूँ। प्रायश्चित यदि भ्रष्ट हो जाए तो फिर कर सकती हूँ। परन्तु ताज़ा मास इतनी भारी मात्रा में दो बारा हाथ नहीं आ सकता।

रानी बिल्ली एकाएक चारों ओर फैले हुए चूहों पर कूद पड़ी। कुछ ही क्षण में पूरा मैदान लहु लुहान हो गया।

अगले दिन समाचार पत्र में सूचना छपी, ९०० चोहे खाने वाली बिल्ली ने ९९ चूहे और खा लिए। एक वृद्ध और अनुभवी चूहे ने ख़बर पढ़ी तो कहा कि फ़ारसी कवि शेख़ सादी ने क्या ही सत्य बात कही है।
पर्वत अपने स्थान से हट सकता है, परन्तु किसी मनुष्य के स्वभाव में परिवर्तन नही आ सकता

बालको! हमें हर समय और हर स्थान पर सावधान रहना चाहिये और प्रत्येक व्यक्ति पर शीघ्रता से विश्वास नहीं करना चाहिये।